न्यूज़ टुडे

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) पहल से 2024 तक 3.48 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई

इसका खुलासा एक नीतिगत दस्तावेज **"भारत की DBT प्रणाली का मात्रात्मक आकलन"** से हुआ है।

दस्तावेज के अन्य प्रमुख बिंदुओं पर एक नजर

- **कवरेज में वृद्धि:** कल्याण संबंधी वितरण में सुधार के साथ लाभार्थियों का कवरेज **16 गुना बढ़** गया है।
- **कल्याण दक्षता लाभ:** कल्याण दक्षता सूचकांक (WEI) **2014 में 0.32** था, जो **2023** में लगभग तीन गुना बढ़कर **0.91** हो गया था।
  - WEI, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली के **प्रभाव का आकलन** करता है। यह **DBT बचत (50% भारांश), सब्सिडी कटौती (30% भारांश) और लाभार्थी वृद्धि (20% भारांश)** द्वारा संचालित होता है।
- **कुल व्यय में सब्सिडी का हिस्सा कम हुआ:** यह 2013 से पहले 16% था, जो 2023-24 में घटकर 9% रह गया।
  - **उदाहरण के लिए-** आधार-लिंक्ड PDS (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) के माध्यम से खाद्य सब्सिडी में **1.85 लाख करोड़ रुपये की बचत** हुई है।

DBT पहल के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसे **2013** में आरंभ किया गया था।
- **उद्देश्य:** कल्याणकारी योजनाओं में मौजूदा प्रक्रियाओं में संशोधन करके और लाभार्थियों की सटीक पहचान करके, डुप्लिकेसी को खत्म करके तथा धोखाधड़ी को कम करके सरकारी वितरण प्रणाली में सुधार करना।
- **कार्यान्वयन:** शुरू में यह पहल योजना आयोग के अधीन थी, लेकिन अब इसे **कैबिनेट सचिवालय** के अधीन कर दिया गया है।

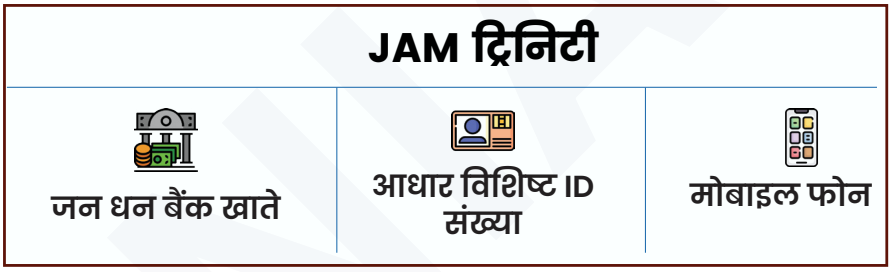

- **मुख्य विशेषताएं**
  - DBT योजनाओं में **आधार** अनिवार्य नहीं है, लेकिन इसे प्राथमिकता दी जाती है।
  - DBT का मुख्य प्रवर्तक **JAM ट्रिनिटी (चित्र देखें) है।**
  - **इलेक्ट्रॉनिक भुगतान फ्रेमवर्क** सभी केंद्रीय क्षेत्रक (CS)/ केंद्र प्रायोजित योजनाओं (CSS) और सभी योजनाओं पर लागू है।

गृह मंत्री ने कहा कि चार साल में पाकिस्तान के साथ लगती पूरी भारतीय सीमा को इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली से कवर कर दिया जाएगा

इससे पाकिस्तान से सीमा-पार घुसपैठ और मादक पदार्थों एवं जाली मुद्रा की तस्करी को रोकने में मदद मिलेगी।

- भारत की पड़ोसी देशों के साथ लगने वाली सीमा की लंबाई इन्फोग्राफिक्स में देखिए।

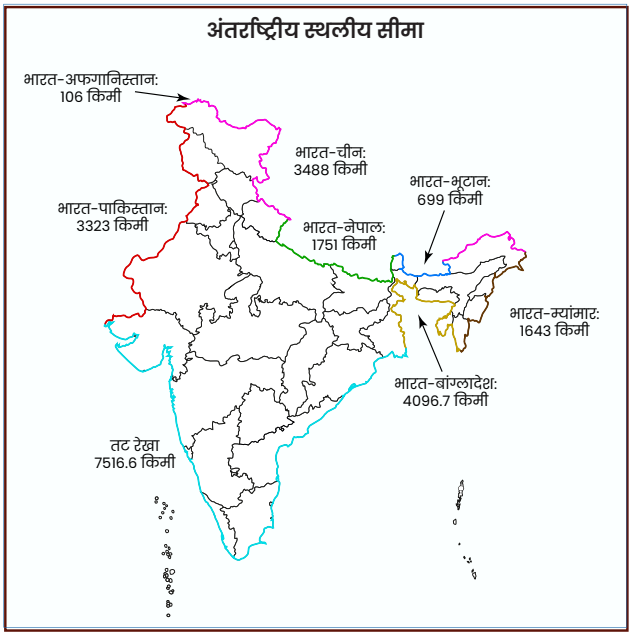

भारत द्वारा अपनाई जा रही प्रमुख निगरानी प्रौद्योगिकियां

- **लेजर वॉल और लेजर फेंसिंग:** इसमें इन्फ्रारेड और लेजर बीम इंटूज़न डिटेक्शन का उपयोग किया जाता है, ताकि उन स्थानों को कवर किया जा सके, जहां भौतिक रूप से बाड़ लगाना संभव नहीं है।
- **इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली:** भारत दो मॉडल्स विकसित कर रहा है। ये सेंसर, नेटवर्क, खुफिया जानकारी और कमांड-कंट्रोल समाधानों को एकीकृत करके सीमा-पार घुसपैठियों एवं सुरंगों का पता लगाएंगे।
- **सुनियोजित सुरक्षा प्रणाली:** इसमें तीन-स्तरीय फेंसिंग, फ्लड लाइटिंग सेंसर, थर्मल इमेजर और मैनुअल गश्त शामिल हैं।
- **अन्य:** इसमें ड्रोन और सुरंग का पता लगाने वाली तकनीक का उपयोग करना तथा लॉन्ग रेंज रीकॉन्सेंस एंड ऑब्जर्वेशन सिस्टम्स (LORROS) का उपयोग रियल-टाइम वीडियो इमेजरी के लिए किया जा रहा है।

सीमा सुरक्षा के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदम

- **व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (CIBMS), 2016:** यह भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमाओं पर **प्रौद्योगिकी एवं इंटेलिजेंस के एकीकरण के माध्यम से स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार** करती है।
- **सीमा अवसंरचना एवं प्रबंधन (BIM) योजना:** यह **केंद्रीय क्षेत्रक की एक योजना है,** जिसका उद्देश्य **सीमा संबंधी अवसंरचना परियोजनाओं** जैसे सीमा पर बाड़ लगाना, फ्लडलाइट्स लगाना आदि को क्रियान्वित करना है।
- **अन्य:** इसमें भारतमाला परियोजना के तहत **सामरिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों का विकास करना,** सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाली आबादी को सहायता देने के लिए **वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम कार्यक्रम** आदि शामिल हैं।

ESCAP ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र में शहरी परिवर्तन रिपोर्ट जारी की

रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया के महानगरों का भविष्य अनिश्चित है।

- **दुनिया के दस सबसे अधिक आबादी वाले शहरों में से सात एशिया में हैं।** इसमें **टोक्यो, दिल्ली, शंघाई और ढाका** शीर्ष पर हैं।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **तेजी से बढ़ता तापमान:** इसके कारण इन शहरों की **अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव** पड़ रहा है।
  - **"अर्बन हीट आइलैंड इफ़ेक्ट"** की वजह से शहर का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। इसका खास असर **बुजुर्गों और गरीबों** पर पड़ता है।
- **तेजी से बढ़ती आबादी: 2050 तक,** एशिया-प्रशांत क्षेत्र में **बुजुर्गों की संख्या 1.3 बिलियन** तक पहुंचने की संभावना है। यह **2024 की संख्या से लगभग दोगुनी** है।
- **अनौपचारिक बस्तियों का विस्तार:** आवास की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन **वेतन स्थिर** है, जिससे **झुग्गी बस्तियों का विस्तार** हो रहा है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (ESCAP) के बारे में

- **इसके बारे में:** यह **संयुक्त राष्ट्र के पांच क्षेत्रीय आयोगों** में से एक है।
- **उत्पत्ति:** इसकी स्थापना **1947 में एशिया और सुदूर पूर्व के लिए आर्थिक आयोग (ECAFE)** के रूप में की गई थी। बाद में **1976 में इसका नाम बदलकर ESCAP** कर दिया गया था।
- **मुख्यालय:** बैंकॉक (थाईलैंड)।
- **उद्देश्य:** सतत विकास के समक्ष चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए अपने **53 सदस्य देशों (भारत सहित) और 9 एसोसिएट सदस्यों के बीच सहयोग को बढ़ावा** देना।

सिफारिशें

- **क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना:** शहरों के बीच ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और उन्हें क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
- **एकीकृत राष्ट्रीय शहरी नीतियां अपनाना:** इससे बहु-स्तरीय अभिशासन को मजबूती मिलेगी और शहरी विकास राष्ट्रीय आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप रहेगा।
- **उप-राष्ट्रीय और स्थानीय क्षमताओं का विकास:** सतत विकास लक्ष्यों को प्रभावी रूप से स्थानीयकृत करने के उद्देश्य से अलग-अलग डेटा एकत्र करने, व्याख्या करने तथा उसका उपयोग करने की आवश्यकता है।
- **शहरी वित्त-पोषण के लिए अभिनव दृष्टिकोण:** संपत्ति कर में सुधार आदि के जरिए नगरपालिका के स्वयं के राजस्व स्रोतों को मजबूत किया जाना चाहिए।
- **नियोजन क्षमताओं को मजबूत करना:** वृद्धों की बढ़ती संख्या, युवाओं के पलायन और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन जैसी जनसांख्यिकीय चुनौतियों का सामना करने के लिए बेहतर शहरी योजना की आवश्यकता है।

मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल (MICT) से क्रूज़ संचालन औपचारिक रूप से शुरू हुआ

मुंबई इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल (MICT) **भारत का सबसे बड़ा विश्वस्तरीय क्रूज टर्मिनल** है।

- इसे **क्रूज भारत मिशन** के तहत विकसित किया गया है।

क्रूज भारत मिशन (2024) के बारे में

- **उद्देश्य:** भारत को **वैश्विक क्रूज पर्यटन हब** बनाने के लक्ष्य को पूरा करना और देश को प्रमुख **वैश्विक क्रूज डेस्टिनेशन** के रूप में विकसित करना।
  - इसका एक अन्य उद्देश्य **अगले पांच वर्षों में यानी 2029 तक क्रूज़ यात्रियों की संख्या को बढ़ाकर दोगुना** करना है।
  - टर्मिनल्स पर आने वाले क्रूज की संख्या को **2024 की 254 से बढ़ाकर 2030 तक 500** करने का लक्ष्य भी रखा गया है।
- **क्रियान्वयन:** इस मिशन को **2024 से 2029 के बीच तीन चरणों** में लागू किया जाएगा।
- **इस मिशन के तीन प्रमुख क्रूज सेग्मेंट्स हैं:**
  - महासागर एवं बंदरगाह क्रूज सेगमेंट,
  - नदी एवं अंतर्देशीय जलमार्ग क्रूज सेगमेंट और
  - द्वीपीय क्रूज सेगमेंट।

भारत में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने वाले कारक

भारत में **12 महा पत्तन और 200 लघु पत्तन** हैं। साथ ही, भारत की तटरेखा 7500 किलोमीटर लंबी है।

भारत में **नौगम्य 110 राष्ट्रीय जलमार्गों** की योजना बनाई गई है जो **20000 किलोमीटर** लंबे हैं। इनमें से कई पर **क्रूज की आवाजाही शुरू** हो चुकी है।

भारत में **समुद्र तटीय या नदी तटीय 1300 द्वीप** मौजूद हैं।

क्रूज पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू किए गए अन्य प्रयास

- **मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030:** इसका उद्देश्य भारत को वैश्विक क्रूज मार्केट में एक प्रमुख भागीदार बनाना है।
- **नदी क्रूज पर्यटन:** अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) नदी क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।
  - इस दिशा में **गंगा व ब्रह्मपुत्र नदियों पर चलने वाले क्रूज तथा केरल के अलप्पुझा** में बैकवाटर में तैरते हाउसबोट्स प्रमुख पहलें हैं ।
    - उदाहरण के लिए- 2023 में लॉन्च हुई **एमवी गंगा विलास दुनिया की सबसे लंबी नदी क्रूज सेवा** है।

गुजरात में दुनिया के पहले 'पार्टिकुलेट एमिशन ट्रेडिंग मार्केट' ने प्रदूषकों को 20-30% तक कम किया

एक नए अध्ययन से पता चला है कि **2019 में शुरू की गई सूरत एमिशन ट्रेडिंग स्कीम (ETS) पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन को नियंत्रित** करने में सफल रही है।

- इसकी वजह से **प्रदूषण रोकथाम लागत में भी 10% से अधिक की गिरावट** आई है। साथ ही, इसमें शामिल उद्योग अब पर्यावरण कानूनों का बेहतर ढंग से पालन कर रहे हैं।

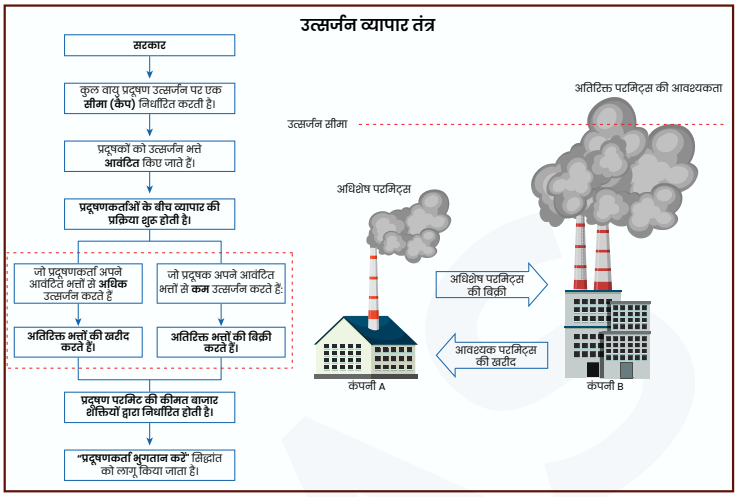

सूरत ETS के बारे में

- **एक नजर:** यह **दुनिया का पहला बाजार है, जहां पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन का व्यापार** किया जाता है।
  - यह भारत की किसी भी तरह की **पहली प्रदूषण ट्रेडिंग योजना** है।
  - ETS की अवधारणा सबसे पहले **अमेरिका में सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) प्रदूषण को रोकने** के लिए शुरू की गई थी।
- **उद्देश्य: प्रदूषक भुगतान सिद्धांत** के अनुसार वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाना।
- **कार्य प्रणाली:** यह बाजार से जुड़ी **'कैप एंड ट्रेड'** प्रणाली (इन्फोग्राफिक देखें) पर आधारित है।
  - इस प्रणाली का उपयोग **यूरोप में ग्रीनहाउस गैसों और चीन में कार्बन उत्सर्जन** के लिए किया जाता है।
  - ETS, निगरानी के लिए **सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (CEMS)** उपकरणों का उपयोग करता है।
- **ट्रेडिंग:** उद्योग **NeML (नेशनल कमोडिटीज एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज** ई-मार्केट्स) द्वारा विकसित प्लेटफॉर्म पर प्रदूषण परमिट्स की खरीद-बिक्री करते हैं।
- भाग लेने वाली संस्थाओं को एक **'पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि'** भी जमा करनी होती है, जो उद्योग के आकार के अनुसार तय होती है।

अन्य सुर्ख़ियां

राजकोषीय विचलन (Fiscal Slippage)

हाल ही में, केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का ऋण प्रबंधन अच्छी तरह से किया जा रहा है और इससे **राजकोषीय विचलन** की स्थिति नहीं आएगी।

राजकोषीय विचलन के बारे में

- यह ऐसी स्थिति होती है, जब सरकार का **वास्तविक राजकोषीय प्रदर्शन उसके निर्धारित या लक्षित राजकोषीय लक्ष्यों से भटक** जाता है। इसकी वजह से आमतौर पर **अपेक्षा से अधिक बजटीय घाटा, सार्वजनिक ऋण में वृद्धि, या दोनों स्थितियां** उत्पन्न हो सकती हैं।
- **राजकोषीय विचलन की स्थिति निम्नलिखित वजहों से उत्पन्न हो सकती है:**
  - कृषि ऋण माफी की घोषणा;
  - वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्राप्ति में कमी;
  - ब्रेंट क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमत के प्रभाव को कम करने के लिए **वैट और उत्पाद शुल्क में कटौती** करना, आदि।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC)

हाल ही में, खादी और ग्रामोद्योग ने अब तक का सबसे अधिक **1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये का टर्नओवर** दर्ज किया।

- इस उपलब्धि को प्राप्त करने में **खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) की प्रमुख भूमिका** रही है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के बारे में

- यह एक **वैधानिक संस्था** है। इसकी स्थापना **खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956** के तहत की गई है।
- **मंत्रालय:** यह केंद्रीय **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME मंत्रालय) की संस्था** है।
- **उद्देश्य:** खादी (हाथ से काता व बुना गया वस्त्र) और ग्रामोद्योगों के उत्पादन व प्रचार-प्रसार के माध्यम से **ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना,** साथ ही रोजगार सृजन करना आदि।
- **KVIC की प्रमुख पहलें:**
  - प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP);
  - ग्रामोद्योग विकास योजना (Gramodyog Vikas Yojana) आदि।

लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (LCR)

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **लिक्विडिटी कवरेज रेशियो को लेकर नए दिशा-निर्देश** जारी किए हैं।

- RBI ने यह भी कहा कि बैंकों को **खुदरा ग्राहकों की जमाओं (retail deposits) पर कम रन-ऑफ फैक्टर निर्धारित** करना होगा।
  - रन-ऑफ फैक्टर वास्तव में **किसी संकट की स्थिति में जमाकर्ताओं द्वारा बैंकों में जमा धनराशि में से निकाली जा सकने वाली प्रतिशत राशि** है।

लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (LCR) के बारे में

- यह **उच्च गुणवत्ता वाली लिक्विड एसेट (High-Quality Liquid Assets)** की मात्रा है। इन्हें वित्तीय संस्थानों को अपने पास सुरक्षित रखना अनिवार्य होता है, ताकि वे बाजार में उथल-पुथल या संकट की स्थिति में अपनी **अल्पकालिक देनदारियों को पूरा** कर सकें।
- LCR को बेसल समझौते (Basel Accords) में नए संशोधन द्वारा जोड़ा गया है।
  - बेसल समझौते **'बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति'** द्वारा तैयार किए गए नियम या मानक हैं।
- उच्च LCR बैंकों को **अधिक तरल परिसंपत्तियां रखने के लिए बाध्य** करता है। इससे **अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में कमी** आती है।

सेफगार्ड ड्यूटी

भारत सरकार ने **इस्पात के कुछ उत्पादों पर 12% सेफगार्ड ड्यूटी** लगाई है।

सेफगार्ड ड्यूटी के बारे में

- यह **आयात से घरेलू उत्पादकों को सुरक्षा प्रदान करने वाला आर्थिक उपाय** है। विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सदस्य देशों को **सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की अनुमति** होती है।
- इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादकों को तब तक संरक्षण देना होता है, जब किसी **उत्पाद के आयात में अचानक और भारी वृद्धि** हो जाती है। इससे स्थानीय उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- सैद्धांतिक रूप से **सेफगार्ड उपाय के तहत किसी देश विशेष को टारगेट नहीं** किया जा सकता।
  - हालांकि, असाधारण परिस्थितियों में जब किसी एक देश से आयात अत्यधिक मात्रा में बढ़ता है, तो उस देश के लिए अलग से **आयात का अधिकतम कोटा निर्धारित** किया जा सकता है।
- सेफगार्ड उपाय **अधिकतम चार वर्षों** तक लागू रह सकता है। हालांकि, राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुमति प्राप्त होने पर इसे **आठ वर्षों तक बढ़ाया** जा सकता है।

सलामी स्लाइसिंग (Salami Slicing)

चीन पीत सागर (Yellow Sea) में दक्षिण चीन सागर जैसी "सलामी स्लाइसिंग" रणनीति का उपयोग करके नए क्षेत्रों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

सलामी स्लाइसिंग के बारे में

- यह शब्दावली स्टालिनवादी तानाशाह **मात्याश राकोसी (Mátyás Rákosi)** द्वारा सृजित की गई है।
- यह **"विभाजित करो और कब्जा करो' की रणनीति** है। इसका उपयोग शत्रु देश द्वारा किसी अन्य देश के छोटे-छोटे भूखंडों पर चरणबद्ध रूप से कब्ज़ा करते हुए लंबे समय में बड़े क्षेत्र पर अपना नियंत्रण स्थापित करने के लिए किया जाता है।
- **लाभ:**
  - ये कार्रवाइयां इतनी छोटी होती हैं कि इनसे युद्ध की स्थिति उत्पन्न नहीं होती।
  - ये पड़ोसी देश को भ्रमित कर देती हैं कि इसका जवाब कैसे दिया जाए।
  - इन छोटी-छोटी घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान नहीं जाता है, और इसके दीर्घकालिक लाभ मिलते हैं।
- हालिया वर्षों में इस शब्दावली का उपयोग विशेष रूप से **भारत, जापान और दक्षिण चीन सागर क्षेत्र** के देशों के खिलाफ चीन की एकतरफा सैन्य कार्रवाइयों के संदर्भ में किया जाने लगा है।

पोषण ट्रैकर

पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन को **"लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार 2024"** से सम्मानित किया गया।

पोषण ट्रैकर के बारे में

- यह एक **मोबाइल एप्लिकेशन** है। इसका उद्देश्य बच्चों में **ठिगनापन (stunting), दुबलापन (wasting), और अल्पवजन (underweight)** की समस्याओं की पहचान करना तथा **पोषण सेवाओं के वितरण की संपूर्ण निगरानी** करना है।
- **पोषण कैलकुलेटर:** यह एक इंटरैक्टिव कैलकुलेटर है, जो बच्चे के विकास का **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर मापन** करता है।
- यह **प्राप्त इनपुट के आधार पर उचित उपाय सुझाता** है, ताकि बच्चे के पोषण स्तर को बेहतर बनाया जा सके।

नैनो-सल्फर

ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टेरी/ TERI) के वैज्ञानिकों का दावा है कि इसका **नैनो सल्फर पारंपरिक सरसों की किस्मों का उपयोग करके DMH-11 के समान उपज वृद्धि** देता है।

- DMH-11 **आनुवंशिक रूप से संशोधित सरसों** की एक किस्म है।

TERI के नैनो-सल्फर के बारे में

- यह **एक पूरी तरह से हरित (ग्रीन)** उत्पाद है। इसमें **पादप संवर्धन करने वाले जीवाणु** का उपयोग किया जाता है, जो **एंजाइम्स और मेटाबोलाइट्स स्रावित** करते हैं।
  - यही गुण इसे **नैनो यूरिया और नैनो डाई-अमोनियम फॉस्फेट** जैसे अन्य नैनो-उर्वरकों से अलग बनाता है।
- नैनो-सल्फर में **जीवाणुरोधी और कीटनाशक गुण** होते हैं।
- **लाभ:**
  - यह पादप वृद्धि को बढ़ावा देता है।
  - यह पादपों को तनाव (जैसे सूखा, गर्मी आदि) सहन करने में सक्षम बनाता है।
  - यह पादप पोषण की गुणवत्ता में सुधार करता है।

स्नो अपडेट रिपोर्ट

अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र (ICIMOD) ने स्नो अपडेट रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **हिंदू कुश हिमालय (HKH)** क्षेत्र में **2025 में लगातार तीसरे साल सामान्य से कम हिमपात** (बर्फबारी) दर्ज किया गया है।
- **गंगा घाटी में पिछले 23 वर्षों में सबसे कम 'स्नो पर्सिस्टेंस'** दर्ज हुआ।
  - हिमपात के बाद हिम के सतह पर बने रहने की अवधि को **स्नो पर्सिस्टेंस** कहते हैं।
- **सिंधु और ब्रह्मपुत्र बेसिन** में भी **स्नो पर्सिस्टेंस** में कमी दर्ज की गई है।

आर्सेनिक प्रदूषण

एक अध्ययन के अनुसार, **जलवायु परिवर्तन के कारण चावल में आर्सेनिक की मात्रा बढ़** सकती है। इससे **लोगों में जीवन भर कैंसर और अन्य स्वास्थ्य जोखिमों का खतरा बढ़** सकता है।

आर्सेनिक प्रदूषण के बारे में

- आर्सेनिक **भूपर्पटी का एक प्राकृतिक घटक** है। यह **हवा, पानी और भूमि सहित संपूर्ण वातावरण** में पाया जाता है।
- अपने **अकार्बनिक** रूप में यह **अत्यधिक विषाक्त** होता है।
- लंबे समय तक आर्सेनिक युक्त **पीने के पानी और भोजन के सेवन से कैंसर एवं त्वचा की बीमारियां** हो सकती हैं।
- इससे **हृदय रोग और मधुमेह** भी हो सकता है।
- **भ्रूण के और बचपन में आर्सेनिक के संपर्क** में आने से **संज्ञानात्मक विकास पर बुरा असर** पड़ सकता है। साथ ही, **युवा वयस्कों में मृत्यु दर** भी बढ़ सकती है।

कोलॉसल स्क्विड

हाल ही में, वैज्ञानिकों ने **दक्षिणी अटलांटिक महासागर में पहली बार कोलॉसल स्क्विड** की तस्वीर ली।

कोलॉसल स्क्विड के बारे में

- कोलॉसल स्क्विड का **सबसे पहले पता 1925** में चला था, जब **एक स्पर्म व्हेल के पेट में उसका सिर और बांहें** मिली थीं।
- यह एक **विशाल आकार की गहरे समुद्र में पाई जाने वाली स्क्विड की प्रजाति** है। यह मुख्यतः **अंटार्कटिक महासागर** में **40° दक्षिण अक्षांश** में पाई जाती है। यह **आमतौर पर 1,000 मीटर से अधिक गहराई** पर रहती है।
- इनकी लंबाई **7 से 14 मीटर** तक हो सकती है और इनका **वजन 500 किलोग्राम** तक हो सकता है।